रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1048] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 24, 2003/अग्रहायण 3, 1925

No. 1048] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 24, 2003/AGRAHAYANA 3, 1925

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2003

का.आ. 1339(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि इसके साथ उपाबद्ध स्थल मानचित्र और अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक मानवतारोपी चित्र राष्ट्रीय महत्व का है;

अब, इसलिए, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने इरादे का इसके द्वारा नोटिस देती है।

उक्त प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के लिए कोई आपत्ति राजकीय राजपत्र में इस अधिसूचना को जारी किए जाने की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन स्मारक में रुचि लेने वाले किसी व्यक्ति द्वारा की जा सकती है जिस पर महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली-110011 द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रागैतिहासिक मानवतारोपी आकृतियों का मानचित्र
गांव कुमती, तालुक कुदलिगी, जिला बेलारी (कर्नाटक)

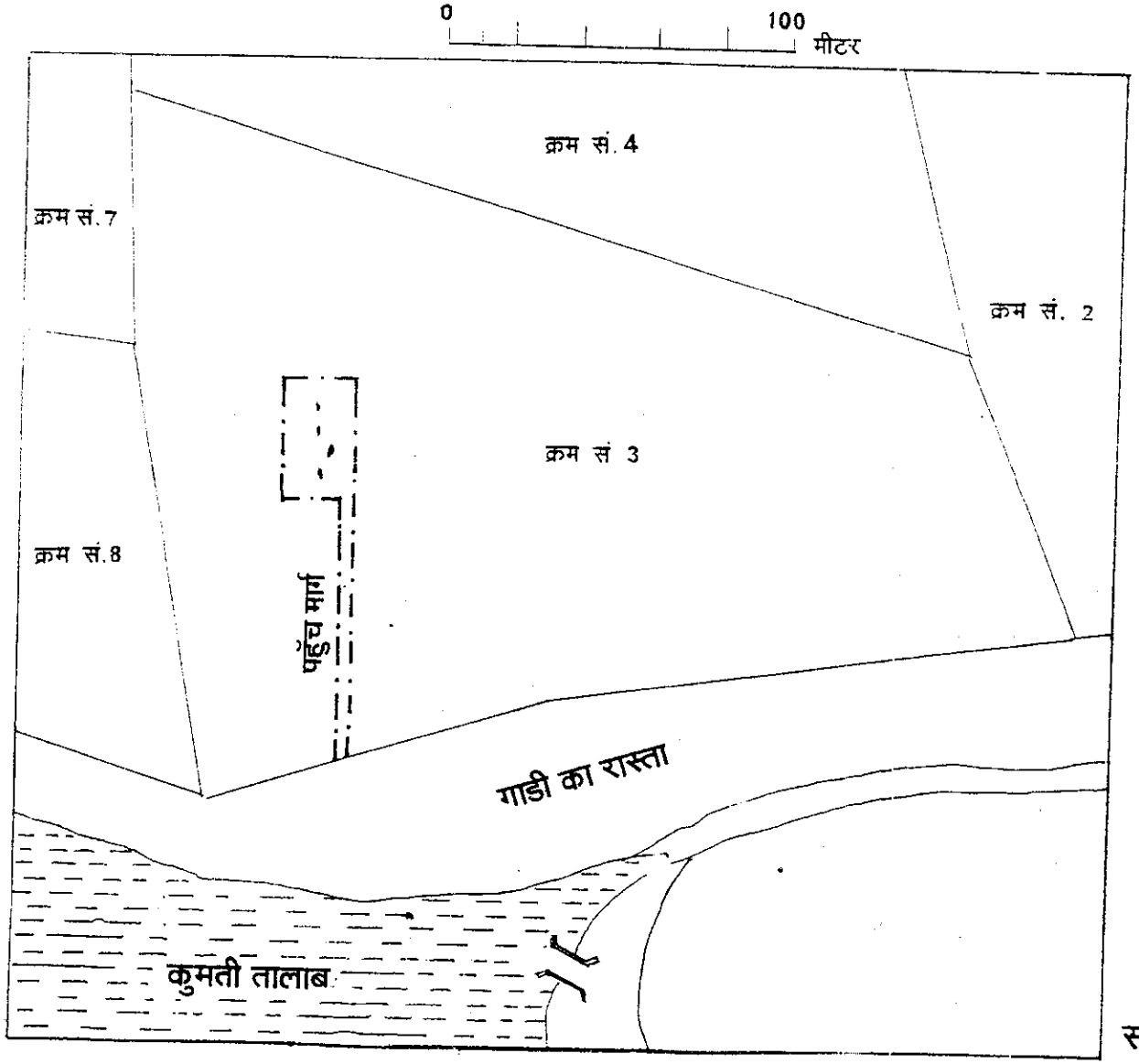

कुमती का राजस्व मानचित्र
सार

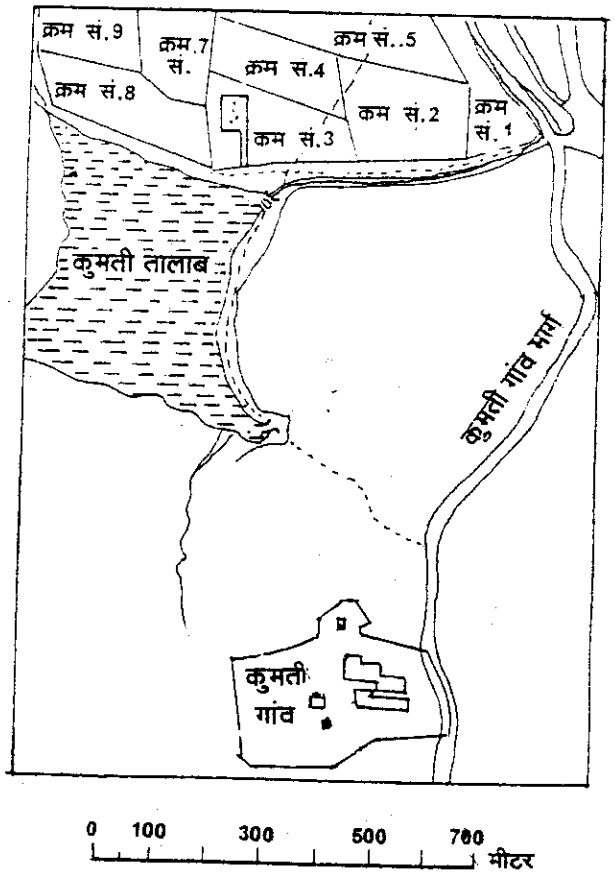

0 100 300 500 700 मीटर

संरक्षण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र —·—·—

अनुसूची

क्र. सं.	राज्य	जिला	तालुक	स्थान	स्मारक/स्थल का नाम	संरक्षण के अधीन शामिल की जाने वाली राजस्व भूखंड संख्या	क्षेत्रफल	सीमाएं	स्वामित्व	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	कर्नाटक	बेलारी	कुडलिगी	कुमाटी	मानवतारोपी आकृतियां	सर्वेक्षण सं. 3 का भाग के.एम. तिप्पेरुदैया	510 वर्ग मीटर	उत्तर : सर्वेक्षण सं. 3 पूर्व : सर्वेक्षण सं. 3 दक्षिण : हौज पश्चिम : सर्वेक्षण सं. 3	श्री के. एम. तिप्पेरुदैया श्री के.एम. तिप्पेरुदैया श्री के.एम. तिप्पेरुदैया कुमती	

[फा. सं. 2/6/96-एम.]

गौरी चटर्जी, महानिदेशक तथा अपर सचिव

DEPARTMENT OF CULTURE

(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th November, 2003

S.O. 1339(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that the Ancient Monument, Anthropomorphic figures specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, is of national importance ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Ancient Monuments And Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance;

Any objection to the declaration of the said ancient monument to be of national importance, may be made within a period of two months from the date of issue of this notification, by any person interested in the said ancient monument which will be taken into consideration by the Director General, Archaeological Survey of India, New Delhi-110011.

SITE PLAN PLAN OF

PREHISTORIC ANTHROPOMORPHIC FIGURE

VILLAGE: KUMATI, TALUK: KUDLIGI, DISTT. BELLARY (KARNATAKA)

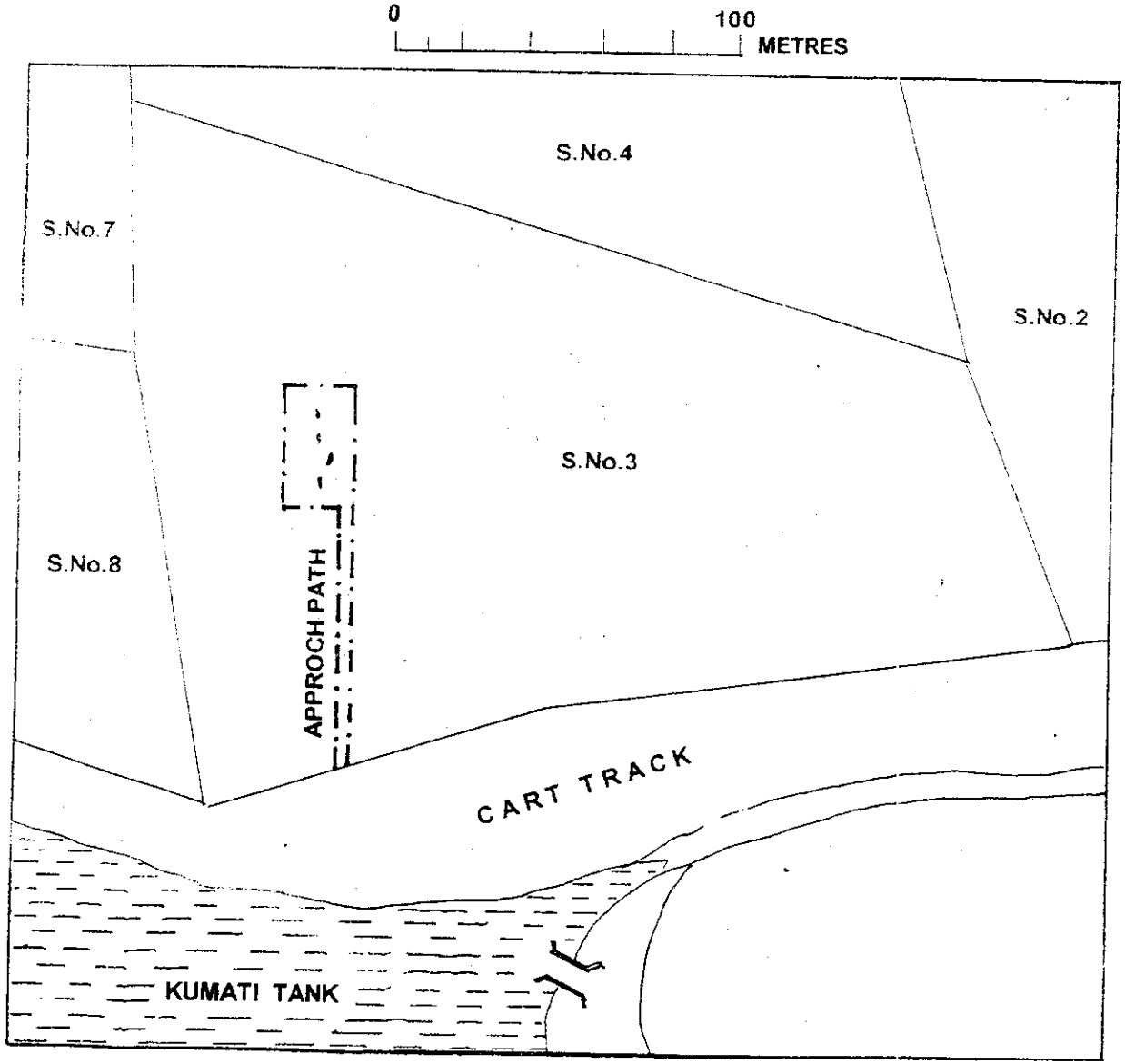

REVENUE EXTRACT MAP OF KUMATI

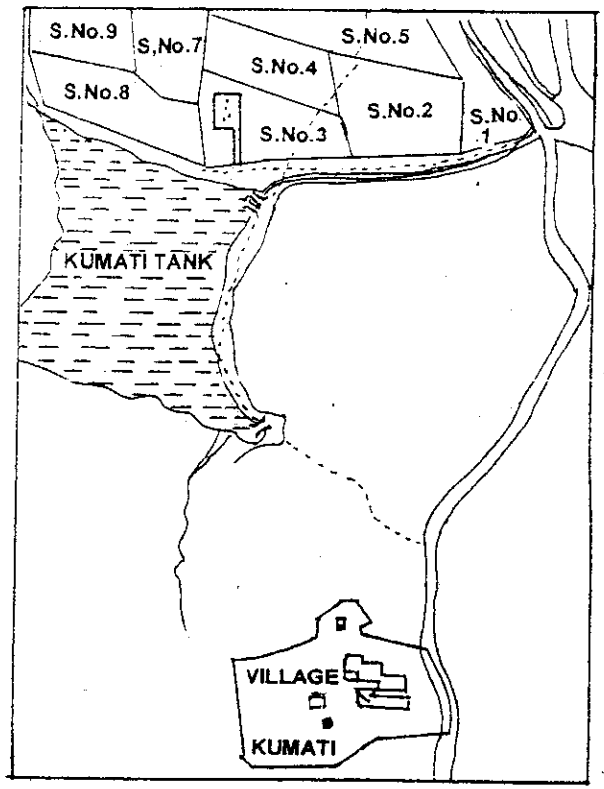

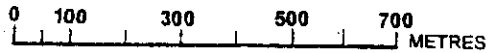

AREA PROPOSED FOR PROTECTION —

SCHEDULE

Sl. No.	State	District	Taluk	Locality	Name of the Monument/ Site	Revenue plot Nos. to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	Karnataka	Bellary	Kudligi	Kumati	Anthropo-morphic Figures	Part of Survey number 3 M.K. Tipperudraiah	510 sq. mtrs.	North : Survey No. 3 East : Survey No. 3 South : Tank West : Survey No. 3	Shri K.M. Tipperudraiah Shri K.M. Tipperudraiah Shri K.M. Tipperudraiah Kumati	

[F. No. 2/6/96-M]

GAURI CHATTERJI, Director General and Addl. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.